मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक
मृदुल पत्रिका
राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष: 15 मूल्य 2.00 रु. अंक 49 | जयपुर, गुरुवार, 28 सितम्बर, 2023 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

डॉ पंचारिया ने डॉ जितेन्द्र सिंह को भेंट किया संस्थान में विकसित स्वदेशी एलईडी युक्त स्मृति चिह्न

सीएसआईआर के नई दिल्ली में 82वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 29 सितंबर को

पिलानी (मृदुल पत्रिका)। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े शोध एवं विकास संगठन 'वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)' का 82वां स्थापना दिवस सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी में 29 सितंबर को मनाया जा रहा है। राजस्थान एक्सपोर्ट प्रोमोशन बोर्ड के सीईओ पीआर शर्मा समारोह के मुख्य अतिथि तथा पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रीनिवासन रघुनाथ एवं पी वी एल रेड्डी विशिष्ट अतिथि होंगे।

विगत वर्ष में संस्थान से सेवानिवृत्त हुए सहकर्मियों तथा परिषद में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के सहकर्मियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही इस अवसर पर गतवर्ष कक्षा ग्यारहवीं में विज्ञान विषयों में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले संस्थान-सहकर्मियों के बच्चों, आईआईटी-आईआईएम में प्रवेश लेने वाले बच्चों तथा सीएसआईआर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाता है। समारोह में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा स्थापना दिवस उदबोधन भी दिया जाएगा।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ पीसी पंचारिया द्वारा परिषद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रमुख शोध कार्यों का विवरण तथा विगत वर्ष के दौरान द्वारा अर्जित उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। सीएसआईआर स्थापना दिवस का मुख्य समारोह 26 सितंबर को नई दिल्ली स्थित के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया गया जिसमें सीरी के निदेशक डॉ पीसी पंचारिया सहित सीएसआईआर की अन्य प्रयोगशालाओं के निदेशक भी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ पीसी पंचारिया ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह एवं सीएसआईआर के अध्यक्ष को संस्थान द्वारा विकसित स्वदेशी एलईडी युक्त स्मृति चिह्न भेंट किया। डॉ सिंह और सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ एन कलैसेल्वी ने सीरी के वैज्ञानिकों को बधाई दी। भारत मंडपम में आयोजित सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा उत्पाद के रूप में परिवर्तित 14 प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जिनमें मिल्क अनालाइज़र, क्षीरस्कैनर, शहद मिलावट डिटेक्टर, फलुओरो पीसीआर सिस्टम, यूवी-वीआईएस स्पेक्ट्रोमीटर, एन्डोस्कोप, स्मार्ट घड़ी, कॉल्पोस्कोप, एलईडी, सेन्सर किट (दाब, ताप एवं ध्वनि संवेदक), स्पर्श रहित उपस्थिति प्रणाली, पानी की गुणवत्ता मॉनीटरिंग प्रणाली, चलतरंग नलिका और मैग्नेट्रॉन शामिल हैं।

गौरतलब है कि भारत को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सुप्रसिद्ध राजनीतिज्ञ ए. रामास्वामी मुदलियार और सीएसआईआर के प्रथम महानिदेशक डॉ शांतिस्वरूप भटनागर के प्रयासों से वर्ष 26 सितंबर 1942 को राष्ट्र के प्रथम अनुसंधान संगठन 'सीएसआईआर' का गठन किया गया। सीएसआईआर अपनी 37 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के माध्यम से राष्ट्र की सेवा में समर्पित है। विगत 81 वर्षों में परिषद ने रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिकी, पर्यावरण, औषधि, धातुविज्ञान, समुद्रविज्ञान, सूक्ष्म जीवविज्ञान, जैवप्रौद्योगिकी, वातरिक्ष, वनस्पति विज्ञान आदि क्षेत्रों में अपने अनुसंधानों व अंतरराष्ट्रीय पेटेन्टों के माध्यम से विश्व में वैज्ञानिक समुदाय के समक्ष राष्ट्र को अग्रिम पंक्ति में खड़ा किया है। वर्तमान में सीएसआईआर भारत सरकार के अनेक नेटवर्क कार्यक्रमों, प्रायोजित परियोजनाओं तथा शोध एवं विकास कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय महत्व का कार्य कर रहा है। अपनी संघटक प्रयोगशालाओं व संस्थानों के वैज्ञानिक शोध कार्यों से आम जनता को जोड़ने में भी सीएसआईआर अहम भूमिका निभा रहा है।